|| NAMO TITTHASSA ||

GACCHADHIPATI (SPIRITUAL SOVEREIGN)
JAINACHARYA SHRIMADVIJAY
YUGBHUSHANSURI
(PANDIT MAHARAJ SAHEB)

(मूल गुजराती का हिन्दी भावानुवाद)

Ref. No.: 202406G-02
दि. 17-6-24, सोमवार

गीतार्थ गंगा, अहमदाबाद

पावागढ़ तीर्थ-रक्षा के अनुसंधान में

जाहिर निवेदन

श्री पावागढ़ तीर्थ में जिनप्रतिमाओं को खंडित करने की अत्यंत आघातजनक खबरें सुनीं। इस प्रकरण पर सक्रिय विद्वान पंन्यासप्रवर श्री जिनप्रेमविजयजी म. सा. को धन्यवाद है कि वे तीर्थ की सुरक्षा के लिए सरकार पर शांतिपूर्ण दबाव डालने का मजबूत प्रयास कर रहे हैं। उनके प्रयास जिनशासन के लिए सुंदर परिणाम लाए, ऐसी हार्दिक मंगलकामना।

जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तीर्थों की पवित्रता और अस्मिता की सुरक्षा के लिए पूरे जैन संघ को जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए समय-समय पर श्री शत्रुंजय, सम्मेतशिखरजी, केसरियाजी आदि महान तीर्थों के बारे में कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन उम्मीद के अनुसार संतोषजनक परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं। कुछ समय पूर्व जैन संघ में शत्रुंजय और शिखरजी महातीर्थ की सुरक्षा के बारे में बडे पैमाने पर जागृति देखने को मिली थी। भारत के कई शहरों में निकली बड़ी-बड़ी रैलियों में लाखों की संख्या में शामिल होकर जैनों ने तीर्थ रक्षा का अद्भुत उत्साह दिखाया था। संयोग से उस समय मैं भी सूरत में था। रैली में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार कर मैंने भी निश्रा प्रदान की थी। उस समय जैनों की सक्रियता देखकर आशा जगी कि दोनों महान तीर्थों की सुरक्षा के बारे में सुंदर परिणाम अवश्य मिलेंगे। लेकिन अफसोस की बात है कि वह आशा पूरी नहीं हुई। पंन्यासश्री ने भी प्रस्तुत में अपने हृदय की व्यथा व्यक्त करते हुए कहा है कि रैली के बाद एक वर्ष बीतने के बावजूद हमें पालीताना के बारे में आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला है।

शिखरजी महातीर्थ के बारे में भी खोखले आश्वासन के सिवा सरकार द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उल्टा सरकार ने पवित्रता खंडित करने वाली अवैध गतिविधियों का सिलसिला तीर्थ पर खड़ा कर रखा है।

Education Book Centre, 133, Gala Complex, Din Dayal Upadhyay Road, Mulund (W), Mumbai 80, India
Whatsapp No.: +91 99300 11400 | Email: info@jyot.in

राणकपुर महातीर्थ और मूछाला महावीर महातीर्थ में भी सरकार ने जैनों के साथ भयंकर अन्याय किया है। इसके निवारण के लिए अभी तक कोई भी संतोषजनक कदम नहीं उठाए गए हैं। श्री केसरियाजी महातीर्थ की स्थिति तो बहुत ही दर्दनाक है और श्री गिरनारजी महातीर्थ में हमने क्या गँवाया उसके बारे में भी जैन संघ अंधेरे में है।

धर्मप्रिय कही जाने वाली भाजपा सरकार राज्य और केंद्र दोनों जगहों पर होते हुए भी राजस्थान-गुजरात और अन्यत्र कई क्षेत्रों में जैनों के साथ अन्याय हुआ है और हो रहा है, यह हकीकत एकदम स्पष्ट है। शांतिप्रिय जैन प्रजा हमेशा भारतीय जनता पार्टी को बड़े पैमाने पर समर्थन देती आई है, फिर भी जैनों को सिलसिलेवार अन्याय सहन करने पड़ते हैं, जो अत्यंत दुःखद वास्तविकता है। इस वास्तविकता में जल्द से जल्द बदलाव आए ऐसा खास अनुरोध करता हूँ।

जैनों को राज्य से कोई विशेष सहायता-तरफदारी या मदद नहीं चाहिए, लेकिन न्याय अवश्य चाहिए। इस समय पंन्यास श्री जिनप्रेमविजयजी म.सा. को लोगों से जो सहयोग मिल रहा है, उसका उपयोग वे सभी तीर्थों की पूर्ण सुरक्षा के लिए करें, जब तक पूर्ण सुरक्षा नहीं हो जाती तब तक महात्मा इस आंदोलन को समाप्त न करें, ऐसी अपेक्षा के साथ तीर्थरक्षा के कार्य की बहुत-बहुत अनुमोदना करता हूँ।

जैन संघ में जिनाज्ञा के अनुसार जो भी तीर्थरक्षा का कार्य कर रहे हैं, उन सभी की भी बहुत-बहुत अनुमोदना।

तीर्थरक्षा के इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए जैनों को किसी भी परिस्थिति में पूरी तरह दृढ़ रहना अत्यंत आवश्यक है, ऐसी प्रेरणा के साथ

जैन शासन की समर्पितता पूर्वक

योग्य वंदना – अनुवंदना, धर्मलाभ

Sd/-

(ग. आ. विजय युगभूषणसूरि)

Education Book Centre, 133, Gala Complex, Din Dayal Upadhyay Road, Mulund (W), Mumbai 80, India
Whatsapp No.: +91 99300 11400 | Email: info@jyot.in